

शांति के लिए सामूहिक राजयोग का भव्य आयोजन

शांति, स्वास्थ्य और सद्भावना की कुंजी है योग - डॉ. ईश्वर आचार्य



सभी को राजयोग तथा शारीरिक व्यायाम कराते हुए डॉ. ईश्वर एन. आचार्य। साथ है ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. शुक्ला दीदी, ब्र.कु. सुंदर लाल तथा ब्र.कु. आशा। योगाभ्यास करते हुए शहर के भाई बहनें।

दिल्ली-हरिीनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज द्वारा श्याम खाटू वाले स्टेडियम, हरिीनगर में 'शांति के लिए सामूहिक राजयोग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के योग एवं नेचरोपैथी अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. ईश्वर एन. आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि योग, जिसका कि भारत की सरकार पूरे विश्व में प्रसार कर रही है, का उद्देश्य न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है,

बल्कि सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि राजयोग अभ्यास के द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्था का इस दिशा में बहुत सराहनीय और अनुकरणीय कदम है जिससे समाज में शांति, सद्भाव तथा समरसता जैसे गुण प्रगाढ़ होंगे। साथ ही उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के हरिीनगर सेवाकेन्द्र की ओर जा रही सड़क का नाम 'ब्रह्माकुमारी मार्ग' के रूप में एम.सी.डी. द्वारा लगायी गई पत्थर पट्टिका का अनावरण भी किया।

छत्तीसगढ़ विश्व विद्यालय की

उपकुलपति डॉ. रेनू शर्मा ने समाज में व्यक्तिगत एवं सामूहिक शांति, स्वास्थ्य, सद्भाव और खुशी के लिए राजयोग की

- हजारों लोगों ने सामूहिक राजयोग मेडिटेशन में लिया भाग
- राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम की देश और विदेशों में भी बढ़ी मांग
- राजयोग द्वारा समाज में शांति तथा सद्भाव जैसे गुण होते प्रगाढ़
- माह में एक दिन होता सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन

प्रभावशाली भूमिका पर अपने विचार रखे। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दिल्ली एवं एन.सी.आर. में विभिन्न स्थलों पर हर माह किसी एक रविवार सामूहिक योग

कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि संस्था द्वारा इस तरह के सामूहिक योग के कार्यक्रम दिल्ली से

प्रारंभ होकर न केवल भारत के विभिन्न शहरों, बल्कि विश्व के विभिन्न देशों में भी आयोजित किये जाने लगे हैं।

हरिीनगर में इस कार्यक्रम की मुख्य

संयोजिका ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने कहा कि इस तरह के सामूहिक योग के कार्यक्रम न केवल तन, मन और आत्मा को स्वास्थ्य प्रदान करते हैं, बल्कि इससे आंतरिक सशक्तिकरण, टीम भावना, चरित्र निर्माण व नेतृत्व करने के गुण भी विकसित होते हैं। इस कार्यक्रम में लगभग तीन हजार श्वेत वस्त्रधारी महिलाओं एवं पुरुषों ने सकारात्मक चिंतन के साथ विश्व शांति और कल्याण के लिए शांतिपूर्वक सामूहिक रूप से राजयोग किया तथा साथ साथ शारीरिक व्यायाम भी किया।

प्रसन्नता बांटने से बढ़ती है - ब्र.कु. बृजमोहन

दिल्ली-लोधी रोड। आजकल पीस एंड मेडिटेशन की सभी को आवश्यकता है। आत्मा को फैकल्टी मन, बुद्धि एवं संस्कार है। मन विचार पैदा करता है, बुद्धि उसपर निर्णय लेती है कि कार्य करना है या नहीं करना है और किसी काम को बार-बार करने से संस्कार बनते हैं। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त सचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन ने ब्रह्माकुमारीज तथा बाग एसोसिएशन के सहयोग से सामुदायिक केन्द्र सभागार में आयोजित 'शांति और प्रसन्नता हेतु राजयोग' विषयक पब्लिक कार्यक्रम में व्यक्त किये।

उन्होंने बताया कि विचार ज्यादा होंगे तो कमजोर होंगे, विचार कम होने पर ताकतवर होंगे। ऑटो अथवा टैक्सी पर चलने से पहले, पेट्रोल भरवाते समय हम सदैव जीरो देखते हैं। परंतु मन के विचारों को कभी जीरो पर नहीं लाते। मेडिटेशन करने से विचार सकारात्मक और शक्तिशाली होते हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रसन्नता को जितना बांटेंगे उतना ही हमारे पास बढ़ती जायेगी, यह कायदा है। आंतरिक स्वच्छता रखो, लोगों की

कमजोरियाँ नहीं उनके गुण और विशेषताओं को देखो। अपने मन में सबके लिए शुभकामना, सद्भावना रखो। विधायक मदनलाल जी ने कहा कि हम



दिल्ली-लोधी रोड। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन, विधायक मदन लाल, गिरीश शंकर, सचिव, भारत सरकार, ब्र.कु. गिरिजा तथा ब्र.कु. पीयूष।

देवताओं की भूमि पर है, यह देने वालों की भूमि है। किसी के पास जो कुछ नहीं है वह देनी चाहिए। अपने जीवन में उस ज्ञान को धारण करें जिससे हम अच्छे मानव बनें। साथ ही उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों को मुक्त कंठ से सराहना की।

अभ्यास तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है। हमें प्रत्येक कर्म परमात्मा की स्मृति में करना है जिससे सफलता सुनिश्चित हो जायेगी। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए ब्र.कु. पीयूष ने श्रोतागणों को अपने प्रेरणादायी विचार

देते हुए स्वयं से बात करने की कला सिखाई। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रातः उठकर परमात्मा पिता से नमस्ते, गुड मॉर्निंग करनी है, अपने आप को शाबाशी



प्रमुख वक्ता, विधायक मदन लाल जी, गिरीश शंकर जी, जोर बाग एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कपूर, प्रसिद्ध व्यवसायी अजय गुप्ता तथा आए हुए सभी

प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कई प्रसिद्ध कॉलोनियों में रहने वाले वरिष्ठ एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुती दी गई। अंत में सभी मेहमानों को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स नं.- 5, आवू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आवू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)

Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th June 2017

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित